दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 ‖ Postal Registration No-055/Raigarh DN CG ‖ रायगढ़, मंगलवार 15 जून 2021 ‖ पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए ‖ वर्ष-03, अंक- 255

महत्वपूर्ण एवं खास

प्रदेशों और केंद्रीय संस्थानों को एम्फोटेरिसिन-बी की अतिरिक्त 106300 शीशियां आवंटित : गौड़ा

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्रीय रसायन और उर्वरक मंत्री डी. वी. सदानंद गौड़ा ने ट्विटर के माध्यम से घोषणा की कि लिपोसोमल एम्फोटेरिसिन-बी की विशिष्ट उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिएआज सभी राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों और केंद्रीय संस्थानों में इस दवा की अतिरिक्त 106300 शीशियां आवंटित की गई हैं। मंत्री ने आगे कहा किआज सभी राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों और केंद्रीय संस्थानों कोपरंपरागत एम्फोटेरिसिन-बी की कुल 53,000 शीशियां भी आवंटित की गई हैं। मरीजों के लिएसुचारू आपूर्ति और उचित समय पर इलाज को सुनिश्चित करने के लिए परंपरागत एम्फोटेरिसिन-बी का आवंटन किया जा रहा है।

पारिवारिक विवाद में भाई को जिंदा जलाया, मौत

दमोह (आरएनएस)। मध्यप्रदेश के दमोह जिले में पारिवारिक विवाद के चलते तीन भाइयों ने अपने सगे बड़े भाई को जिंदा जलाकर मार डाला। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार बाबूलाल नाम के व्यक्ति कल रात यहां जिला अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। रनेह थाना क्षेत्र के पिपरिया गांव निवासी बाबूलाल के पुत्र कीरत की शिकायत पर भैयालाल, भगवानदास, कन्हैयालाल और अन्य के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया है। सूत्रों ने कहा कि बड़े पुत्र बाबूलाल की वृद्ध मां अपने बड़े पुत्र के पास ही रहना चाहती थी, जबकि आरोपी और बाबूलाल के छोटे भाई मां को अपने घर ले जाना चाहते थे। इसी बात को लेकर विवाद चल रहा था। कल सुबह आरोपियों ने बाबूलाल को सोते समय आग के हवाले कर दिया। परिजन बाबूलाल को इलाज के लिए अस्पताल ले गए। फिलहाल आरोपियों की गिरफ्तारी की सूचना नहीं है।

युवक ने परिवार के तीन लोगों की हत्या कर की आत्महत्या

धनबाद (आरएनएस)। झारखंड में धनबाद जिले के धनसार थाना क्षेत्र में एक युवक ने अपने परिवार के तीन लोगों की हत्या करने के बाद आत्महत्या कर ली। पुलिस सूत्रों ने सोमवार को यहां बताया कि गांधी नगर में मुन्ना सिंह के मकान में मुन्ना यादव किराये पर रहकर पास के ईश्वर साव की मिक्चर फैक्ट्री में काम करता था। लोगों ने रविवार की देर रात देखा कि दरवाजे से घर के बाहर खून आ रहा है, इसके बाद मामले की सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस को मुन्ना यादव, मीना यादव और रोहित यादव का शव खून से लथपथ कमरे में नीचे पड़ा हुआ मिला, जबकि राहुल यादव का शव बेड पर पड़ा हुआ था। सूत्रो ने बताया कि मीना यादव ने दूसरी शादी मुन्ना यादव से की थी। राहुल यादव मीना के पहले पति का बेटा था, जबकि रोहित मीना का बेटा था। बताया जा रहा है कि राहुल का किसी बात को लेकर सौतले पिता, भाई और मां से विवाद चल रहा था, जिस कारण राहुल ने अपने पिता मुन्ना और सौतले भाई रोहित और सौतेली मां मीना की धारदार हथियार से हत्या कर दी और उसके बाद खुद गला रेतकर आत्महत्या कर ली। पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

24 घंटे में 70,421 नये मामले दर्ज किए गए, यह संख्या 74 दिनों के बाद सबसे कम

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत में दैनिक नये मामलों की संख्या में लगातार कमी दर्ज की जा रही है। पिछले 24 घंटे में देश में 70,421 दैनिक नये मामले दर्ज किए गए। लगातार सातवें दिन देश में कोविड-19 के नये मामलों की संख्या एक लाख से कम दर्ज की गयी। यह केंद्र और राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के सहयोग से किए जा रहे सतत प्रयासों का नतीजा है।

भारत में कोविड-19 के सक्रिय मामलों की संख्या लगातार घट रही है। सक्रिय मामलों की संख्या गिरकर आज 9,73,158 हो गयी। सक्रिय मामलों की संख्या 66 दिनों के बाद 10 लाख से कम हुई है।

पिछले 24 घंटे में सक्रिय मामलों की संख्या में कुल 53,001 की कमी आयी है। यह अब देश के कुल कोविड पॉजिटिव मामलों का केवल 3.30 प्रतिशत है।

साथ ही ज्यादा लोगों के कोविड-19 संक्रमण से स्वस्थ होने के साथ लगातार 32वें दिन बीमारी से स्वस्थ होने वाले लोगों की दैनिक संख्या कोविड-19 के दैनिक नए मामलों से ज्यादा है। पिछले 24 घंटे में बीमारी से 1,19,501 लोग स्वस्थ हुए हैं।

पिछले 24 घंटे में दैनिक नये मामलों की तुलना में बीमारी से करीब 50,000 (49,080) ज्यादा लोग स्वस्थ हुए हैं।

भारत में महामारी के शुरू होने के बाद से पहले ही कुल 2,81,62,947 लोगों में कोविड-19 ठीक हो चुका है और पिछले 24 घंटे में बीमारी से कुल 1,19,501 लोग स्वस्थ हुए हैं। बीमारी से स्वस्थ होने की राष्ट्रीय दर भी बेहतर होकर 95.43 प्रतिशत हो गयी है और इसमें लगातार वृद्धि हो रही है। भारत में पिछले 24 घंटे में कुल 14,92,152 जांच हुई जिसके साथ अब तक हुए जांच की कुल संख्या करीब 38 करोड़ (37,96,24,626) है।

जहां एक तरफ पूरे देश में कोविड की जांच बढ़ गयी है, वहीं दूसरी तरफ साप्ताहिक पॉजिटिविटी रेट भी लगातार घट रहा है। साप्ताहिक पॉजिटिविटी रेट इस समय 4.54 प्रतिशत है जबकि दैनिक पॉजिटिविटी रेट आज 4.72 प्रतिशत हो गया। यह लगातार 21 दिनों से 10 प्रतिशत से कम बना हुआ है।

अस्थायी रिपोर्ट के अनुसार आज सुबह सात बजे तक 35,32,375 सत्रों में देश में कोविड-19 के टीके की कुल 25,48,49,301 खुराक दी जा चुकी हैं।

उत्तराखंड में ब्लैक फंगस के 400 केस, 67 मौतें

देहरादून (आरएनएस)। उत्तराखंड में म्यूकोरमाइकोसिस (ब्लैक फंगस) के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। प्रदेश में अब ब्लैक फंगस के कुल मरीजों की संख्या 400 हो गई है। वहीं अब तक 42 लोग स्वस्थ भी हो चुके हैं। जबकि मौत का आंकड़ा 67 तक पहुंच गया है। म्यूकोरमाइकोसिस (ब्लैक फंगस) के सबसे अधिक मरीज एम्स ऋषिकेश में सामने आए हैं, यहां अब तक 256 मामले दर्ज किए गए हैं जिनमें से 44 मरीजों की मौत हो चुकी है व 10 स्वस्थ होकर डिस्चार्ज हो चुके हैं। दून मेडिकल कॉलेज में ब्लैक फंगस के 20 मरीज भर्ती हैं, जिसमें से 5 मरीज स्वस्थ होकर घर लौटे हैं, जबकि 1 मरीज की मौत भी हो चुकी है। मैक्स हॉस्पिटल 15 मरीजो में से 9 स्वस्थ हो चुके हैं, जबकि 2 मरीजों की मौत भी हो चुकी है। महंत इंद्रेश हॉस्पिटल में 28 मरीज सामने आए हैं जिनमें से 3 मरीजों की मौत हो चुकी है व 11 मरीज स्वस्थ होकर घर लौट चुके हैं। एचआईएचटी जॉली ग्रांट में 35 मामले दर्ज किए जा चुके हैं, जिनमें से 9 मरीजों की मौत हो चुकी है व 7 स्वस्थ हो चुके हैं। इसके अलावा आरोग्यधाम अस्पताल में 2 व सिटी हार्ट अस्पताल में 1 मरीज का इलाज चल रहा है। ओएनजीसी अस्पताल में भी 2 मरीज भर्ती है। सिनर्जी अस्पताल में भी 2 मरीज सामने आए जिसमें 1 मरीज की मौत हो चुकी है। वहीं 1 मरीज मिलट्री हॉस्पिटल में भी सामने आया है। नैनीताल जनपद की बात करें तो यहां 3 मरीज कृष्णा हॉस्पिटल हल्द्वानी में सामने आए, जिनमें से एक की मौत हो चुकी है, 29 मरीज डॉ. सुशीला तिवारी अस्पताल में सामने आ चुके हैं, जहां 4 मरीजों की मौत हो चुकी है। 2 मरीज उत्तरकाशी जिला अस्पताल में सामने आए हैं, 1 मरीज ऊधमसिंहनगर जनपद में भी सामने आया था जिसकी मौत हो चुकी है। वहीं 2 मरीज मिलिट्री अस्पताल रूड़की में भी सामने आए हैं, जिसमें 1 मरीज की मौत हो चुकी है।

एनटीपीसी ने हाइड्रोजन फ्यूल सेल आधारित पायलट परियोजनाओं के लिये ईओआई आमंत्रित किये

नई दिल्ली (आरएनएस)। बिजली मंत्रालय के अधीन भारत की सबसे बड़ी एकीकृत बिजली उत्पादक कंपनी एनटीपीसी ने दो पायलट परियोजनाओं के लिये रुचि-प्रपत्र (एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट- ईओआई) आमंत्रित किये हैं। ये दोनों परियोजनायें स्वचलित फ्यूल-सेल आधारित विद्युत प्रणाली और स्वचलित फ्यूल-सेल आधारित माइक्रो-ग्रिड प्रणाली से सम्बंधित हैं। दोनों प्रणालियां हाइड्रोजन उत्पादन से जुड़ी हैं, जिसके लिये एनटीपीसी परिसरों में इलेक्ट्रोलाइजर का इस्तेमाल किया जायेगा। इन परियोजनाओं के जरिये एनटीपीसी हरित और स्वच्छ ईंधन के क्षेत्र में अपनी उपस्थिति मजबूत करना चाहती है। परियोजनाओं के क्रियान्वयन और आगे चलकर उनके कारोबार के लिये एनटीपीसी सहयोग करेगी।परियोजनायें हाइड्रोजन प्रौद्योगिकियों को अपनाने की एनटीपीस की पहलों के अनुरूप हैं। कंपनी ने बिजली संयंत्रों के ईंधन से उठने वाली गैस (फ्लू गैस) से उत्सर्जित कार्बन को जमा करके तथा इलेक्ट्रोलाइसिस से निकलने वाले हाइड्रोजन को मिलाकर मेथेनॉल बनाने का प्रायोगिक काम शुरू कर दिया है। इस प्रौद्योगिकी के जरिये वातावरण में घुलने से पहले ही कार्बन को पकड़ लिया जाता है। कार्बन को पकड़ने की प्रक्रिया और हरित हाइड्रोकार्बन सिनथेसिस के क्षेत्र के हवाले से इससे आत्मनिर्भर भारत को बल मिलेगा तथा कार्बन उत्सर्जन समस्याओं का समाधान निकलेगा।

जयपुर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा ने कठिन समय में आवश्यक चिकित्सा आपूर्ति में की सहायता

नई दिल्ली (आरएनएस)। जयपुर हवाई अड्डा टीकों, चिकित्सा उपकरणों और अन्य आवश्यक सामग्रियों को सुरक्षित तरीके से लोड कर उन्हें समय से गंतव्य तक पहुंचाने का काम सुनिश्चित करने के लिए 24×7 अथक रूप से काम कर रहा है। जयपुर हवाई अड्डे से 1 मई से 9 जून 2021 तक कोविड टीकों के कुल 683 बक्से (20.59 मीट्रिक टन), ऑक्सीजन कंसेंट्रेटर के 527 बक्से (8.24 मीट्रिक टन), ऑक्सीमीटर के 42 बक्से (475 किलो),कोविड-19 डिटेक्शन किट के 30 बक्से (542 किलो), टीकाकरण किट के 08 बक्से (224 किलो) और ब्लैक फंगस बीमारी की दवाओं के 85 बक्से (612 किलो)विभिन्न विमान सेवाओं के माध्यम से भेजे गए। ऑक्सीजन संकट पर काबू पाने के लिए 26 अप्रैल2021 से 16 मई 2021 तक ऑक्सीजन के 9 खाली टैंकर भारतीय वायु सेना के विमान (सी17) से जयपुर से जामनगर भेजे गए। इसके अतिरिक्त जयपुर हवाई अड्डा द्वारा केंद्र तथा राज्य सरकार के निर्देश के अनुसार कोविड-19 से संबंधित दिशा-निर्देशों और प्रोटोकॉल का भी पालन किया जा रहा है ताकि यात्रियों की सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित की जा सके। हवाई अड्डा के कर्मचारी सभी यात्रियों, हितधारकों, आगंतुकों और कर्मचारियों से कोविड उपयुक्त व्यवहार का हमेशा पालन करने और भीड़ कम करने के लिए समय में अंतर को बनाए रखने के लिए निरंतर अनुरोध कर रहे हैं। हवाई अड्डा कोविड उपयुक्त व्यवहार के बारे में जागरूकता पैदा करने, यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिएटर्मिनल पर कई इलेक्ट्रॉनिक और स्थायी डिस्प्ले के माध्यम से निर्देश भी प्रदर्शित कर रहा है। जयपुर हवाई अड्डे ने सभी सुरक्षा उपायों को ध्यान में रखते हुए राजस्थान सरकार के सहयोग से भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई)के कर्मचारियों और अन्य हितधारकों के लिए कोविड टीकाकरण शिविर का भी आयोजन किया है।

एम्स में आज से बच्चों पर कोवैक्सीन का ट्रायल शुरू, टीके के टेस्ट की प्रक्रिया हो गई पूरी

नई दिल्ली (आरएनएस)। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में 6 से 12 साल के बच्चों पर कोरोना वैक्सीन का ट्रायल मंगलवार से शुरू होगा। इसके साथ ही स्क्रीनिंग भी शुरू हो जाएगी। दिल्ली एम्स पहली बार भारत की पहली स्वदेशी रूप से विकसित कोविड-19 वैक्सीन, भारत बायोटेक की कोवैक्सीन के क्लिनिकल परीक्षण के लिए 6 से 12 वर्ष की आयु के बच्चों की स्क्रीनिंग शुरू कर रहा है। मंगलवार से 6-12 साल के बच्चों की भर्ती और क्लीनिकल ट्रायल शुरू हो जाएगा। एम्स पटना में 6-12 साल के बच्चों पर ट्रायल शुरू हो चुका है।

स्क्रीनिंग रिपोर्ट आने के बाद प्रतिभागियों को वैक्सीन दी जाएगी।

परीक्षण यह सुनिश्चित करेगा कि भारत बायोटेक की वैक्सीन बच्चों के लिए उपयुक्त है या नहीं। दिल्ली एम्स ने 12-18 आयु वर्ग के लिए सिंगल डोज कोवैक्सीन की भर्ती और क्लिनिकल ट्रायल खत्म होने के बाद यह ट्रायल ड्राइव शुरू करने का फैसला किया है।

6-12 साल के बच्चों की भर्ती के बाद एम्स दिल्ली 2-6 साल के बच्चों के लिए ट्रायल करेगा। परीक्षण 525 केंद्रों पर हो रहे हैं। भारत के ड्रग रेगुलेटर द्वारा कोवैक्सीन के दूसरे और तीसरे चरण के क्लिनिकल परीक्षण करने की अनुमति दिए जाने के बाद 2 से 18 वर्ष की आयु के बच्चों में एकल-खुराक कोवैक्सीन के परीक्षण के लिए बच्चों की स्क्रीनिंग 7 जून को नई दिल्ली के एम्स में शुरू हुई। ड्रग रेगुलेटर ने 12 मई को आयु वर्ग 2 से 18 वर्ष के लिए परीक्षणों की अनुमति प्रदान की थी। एम्स पटना, मैसूर मेडिकल कॉलेज और कर्नाटक में अनुसंधान संस्थान को भी बच्चों पर क्लिनिकल परीक्षण करने के लिए चुना गया है।

भले ही कोरोनावायरस की दूसरी लहर की रफ्तार धीमी पड़ गई है, लेकिन एक्सपर्ट तीसरी लहर की संभावना जता रहे हैं। बताया जा रहा है कि तीसरी लहर में बच्चे सबसे अधिक प्रभावित हो सकते हैं। ऐसे में सरकार इस दिशा में काम कर रही है।

छोटे बच्चों पर कोवैक्सीन के क्लिनिकल ट्रायल कराने का उद्देश्य देश में कोरोना की तीसरी लहर शुरू होने के पहले उन्हें टीकाकरण में शामिल किया जाना है। विशेषज्ञों एवं वैज्ञानिकों की ओर से कोरोना की तीसरी लहर में बच्चों पर खतरा अधिक बताया जा रहा है, जिसकी वजह से पूरी दुनिया में बच्चों पर टीकों का ट्रायल किया जा रहा है। इसी वैश्विक अभियान के तहत भारत में भी अब बच्चों पर वैक्सीन का क्लिनिकल ट्रायल शुरू किया जा रहा है।

दो दिन बाद देशभर में खुल जाएंगे ताजमहल समेत सभी स्मारक, अब जिम खुलने के इंतजार में लोग

नईदिल्ली (आरएनएस)। कोरोना के कारणदेश में बंद स्मारकों को 16 जून से खोला जा रहा है। इन स्मारकों को पुरातत्व सर्वेक्षणविभाग खोलने जा रहा है। ये घोषणा केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री ने आज की।दरअसल एएसआई ने ताजमहल समेत देशभर के सभी स्मारकों को 16 अप्रैल को बंद कर दिया था। शुरुआत में 15 दिन की बंदी को बाद में बढ़ाते हुए 15 जून तक के लिए कर दिया गया। एएसआई ने पहले 16 अप्रैल से लेकर 15 मई तक के लिए सभी केंद्रीय संरक्षित स्मारक बंद करने का आदेश जारी किया था। इसके बाद एएसआइ ने 12 मई को एक बार फिर इसको बंद करने का आदेश 15 जून तक बढ़ाने के लिए जारी कर दिया। उधर, सोमवार को अंबाला में 50 फीसदी क्षमता के साथ जिम खुल गए। जिम की एक सदस्य ने बताया कि डेढ़ महीने के बाद जिम खुला है तो बहुत अच्छा लग रहा है। कोरोना महामारी में फिटनेस बहुत जरूरी है। यहां कोरोना के सभी नियमों का पालन किया जा रहा है। पंजाब समेत देश के कई राज्यों में जिम खोलने की मांग लंबे समय से चल रही है। देश में लगातार कोविड मामलों में गिरावट जारी है। 24 घंटों में कोरोना के नए 70,421 मामले सामने आए, जो 31 मार्च के बाद सबसे कम है, वहीं 24 घंटों में वायरस के कारण 3,921 मौतें हुई हैं।

पुणे स्थित फर्म एंटी-वायरल एजेंटों की परत चढे 3डी-प्रिंटेड मास्क ले कर आई

नई दिल्ली (आरएनएस)। 3डी प्रिंटिंग और फार्मास्यूटिकल्स के एकीकरण से एक नए प्रकार का मास्क तैयार हुआ है जो संपर्क में आने पर वायरस पर हमला करता है। पुणे स्थित स्टार्ट-अप फर्म थिंकर टेक्नोलॉजीज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा विकसित, ये मास्क एंटी-वायरल एजेंटों से लेप किए हुए होते हैं जिन्हें आमतौर पर वायरुसाइड्स के रूप में जाना जाता है।यह विषाणुनाशक मास्क परियोजना कोविड-19 के खिलाफ सरकार की लड़ाई के रूप में, भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के तहत एक वैधानिक निकाय, प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड द्वारा व्यावसायीकरण के लिए चुनी गई शुरुआती परियोजनाओं में से एक है। इस परियोजना को मई 2020 में कोविड-19 से लड़ने के लिए नवोन्मेषी समाधानों की खोज के रूप में बोर्ड से वित्तीय सहायता प्राप्त हुई। इसके बाद, मास्क विकसित करने के लिए 8 जुलाई, 2020 को एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। वर्ष 2016 में बनी इस फर्म का दावा है कि ये लागत प्रभावी मास्क सामान्य ह्95, 3-प्लाई और कपड़े के मास्कों की तुलना में कोविड-19 के प्रसार को रोकने में अधिक प्रभावी हैं।

उच्च गुणवत्ता वाले अधिक प्रभावी मास्क की आवश्यकता की पूर्ति

थिंकर टेक्नोलॉजीज इंडिया नए फार्मास्युटिकल फॉर्मूलेशन और विभिन्न दवाओं के ड्रग-लोडेड फिलामेंट्स की खोज के लिए फयूज्ड डिपोजिशन मॉडलिंग (एफडीएम) 3 डी-प्रिंटर के विकास पर काम करती है। इसके संस्थापक निदेशक डॉ. शीतलकुमार ज़म्बद बताते हैं- हमने महामारी के शुरुआती दिनों में ही समस्या और उसके संभावित समाधानों के बारे में सोचना शुरू कर दिया था। हमने महसूस किया कि संक्रमण को रोकने के लिए सबसे महत्वपूर्ण उपकरण के रूप में फेस मास्क का उपयोग लगभग विश्वव्यापी हो जाएगा। लेकिन हमने महसूस किया कि ज्यादातर मास्क जो तब उपलब्ध थे और आम लोगों की पहुंच में थे, वे घर के बने थे और अपेक्षाकृत कम गुणवत्ता वाले थे। उच्च गुणवत्ता वाले मास्क की आवश्यकता है यही मान कर हमने संक्रमण के प्रसार को कम करने के लिए एक बेहतर दृष्टिकोण के रूप में लागत प्रभावी और अधिक कुशल विषाणुनाशक लेप वाले मास्क को विकसित करने यथा उसके और व्यावसायिक विपणन करने के लिए एक परियोजना शुरू करना तय किया।

इसी उद्देश्य के साथ, थिंकर टेक्नोलॉजीज ने विषाणुनाशक कोटिंग फॉर्मूलेशन विकसित करने पर काम करना शुरू किया। इसे नेरुल स्थित मर्क लाइफ साइंसेज के सहयोग से विकसित किया गया जिसकी अनुसंधान सुविधा का उपयोग इस उद्देश्य के लिए किया गया। कोटिंग फॉर्मूलेशन का उपयोग कपड़े की परत पर दवा का लेप करने के लिए किया गया और 3डी प्रिंटिंग सिद्धांत को कोटिंग की एकरूपता प्राप्त करने के लिए काम में लिया गया। लेप की हुई परत को फिर से काम में लिए जा सकने वाले फिल्टर के साथ ह्-95 मास्क, 3-प्लाई मास्क, साधारण कपड़े के मास्क, 3डीप्रिंटेड या अन्य प्लास्टिक कवर मास्क में एक अतिरिक्त परत के रूप में शामिल किया जा सकता है। इस प्रकार ये मास्क फिल्टर तंत्र द्वारा प्राप्त सुरक्षा से आगे जाकर अतिरिक्त सुरक्षा प्रदान करते हैं।

कोटिंग के परीक्षण में पाया गया है कि यह सार्स-कोव-2 वायरस को निष्क्रिय कर देता है। मास्क पर कोटिंग के लिए प्रयुक्त सामग्री सोडियम ओलेफिन सल्फोनेट आधारित मिश्रण है। यह हाइड्रोफिलिक और हाइड्रोफोबिक गुणों वाला साबुन बनाने वाला एजेंट है। छाए हुए विषाणुओं के संपर्क में आने पर यह विषाणु की बाहरी झिल्ली को तोड़ देता है। इसमें उपयोग की जाने वाली सामग्री कमरे के तापमान पर स्थिर होती है और सौंदर्य प्रसाधनों में व्यापक रूप से उपयोग में लाई जाती है। मास्क में फिर से प्रयोग में लाये जा सकने वाले फिल्टर भी 3डी प्रिंटिंग का उपयोग करके विकसित किए गए हैं। इसके अलावा डॉ ज़बद का कहना है कि मास्क में बैक्टीरिया को फिल्टर कर देने की क्षमता 95त्न से अधिक पाई गई है। इस परियोजना मेंपहली बारहमने प्लास्टिक-मोल्डेड या 3 डी-प्रिंटेड मास्क कवर के लिए सटीक रूप से फिट होने के लिए बहुपरत वाले क्लॉथ फिल्टर बनाने के लिए 3 डी-प्रिंटर का उपयोग किया। थिंकर टेक्नोलॉजीज इंडिया प्रा. लिमिटेड ने इस उत्पाद के पेटेंट के लिए आवेदन किया है।